

सरलार्थ:-

1. ऊंचा खड़ा हिमालय ----- मातृभूमि मेरी।

अर्थ:- भारत देश में आसमान को चूमता हिमालय खड़ा है। यहां यमुना जैसी पवित्र नदियां बहती हैं। यह पल में अपना रास्ता बदल रही है। ऐसी पवित्र भूमि, जन्म भूमि, स्वर्ण भूमि और मातृभूमि मेरी है।

2. झरने अनेक झड़ते----- वह मातृभूमि मेरी।

अर्थ:- भारत देश की भूमि पर पहाड़ियों में अनेक झरने बहते हैं। यहां चिड़ियां चहक रही हैं, आम के बागों में कोयल बोल रही है। मलय वायु भारत के तन-मन को संवार रही है। ऐसी धर्म भूमि, कर्म भूमि एवं पालन पोषण करने वाली मातृभूमि मेरी है।

3. जन में जहां थे----- मातृभूमि मेरी।

अर्थ:- जहां राम जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम एवं महान सीता ने जन्म लिया। जहां कृष्ण ने वंशी की स्वर लहरी के साथ गीता का कर्म योग सुनाया। जहां गौतम ने जन्म लेकर दया का मार्ग दिखा कर सुयश बढ़ाया एवं दुनिया के मार्ग को प्रकाशित किया। यही युद्ध भूमि और जन्मभूमि मेरी मातृभूमि है।

अभ्यास - प्रश्न

बहुविकल्पी प्रश्न :-

1. सिंधु किस का पैर पखारता है?

(क) हिमालय का

2. पहाड़ियों में क्या झरते हैं ?

(क) झरने

3. भारत को कवि ने क्या बताया है?

(घ) सभी--जन्मभूमि, कर्मभूमि, धर्मभूमि

4. गीता का उपदेश किसने दिया था?

(क) श्री कृष्ण ने

5. इस कविता के अनुसार भारत देश का सुयश किसने बढ़ाया?

(घ) सभी --कृष्ण ने, राम ने, गौतम ने

6 कविता के रचयिता हैं?

(क) सोहनलाल द्विवेदी

(ख) लिखित प्रश्न उत्तर :-

1 कवि ने भारत देश के भौगोलिक रूप का वर्णन 'मेरे देश' कविता में किन शब्दों में किया है?

उत्तर- भारत देश की भौगोलिक रूप का वर्णन करते हुए कवि कहते हैं कि इसके उत्तर में ऊंचा हिमालय है, यहां गंगा और यमुना जैसी नदियां बहती हैं, पहाड़ियों में झरने बहते हैं।

2 'मेरा देश' कविता में कवि द्वारा उल्लेखित प्रकृति- वर्णन अपने शब्दों में लिखो?

उत्तर- भारत की प्रकृति बड़ी मनमोहक है। यहां गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियां बहती हैं। चिड़िया चहक रही है, कोयल पुकार रही है। यहां मलय पवन बहती है जो भारत -भूमि की तन- मन को संवारती है।

3 मातृभूमि से तुम क्या समझते हो? कवि ने अपने देश की भूमि को किन किन विशेषताओं से पुकारा है? उत्तर- मातृभूमि का अर्थ है-- जहां हमारा जन्म एवं पालन-पोषण हुआ है। कवि ने अपने देश को धर्मभूमि, कर्मभूमि, जन्मभूमि तथा मातृभूमि आदि नामों से पुकारा है।

4 कवि ने मेरा देश कविता में श्री कृष्ण और गौतम बुद्ध का उल्लेख है। तत्पश्चात उन्होंने देश को युद्ध भूमि और बुद्ध भूमि कहकर पुकारा है। क्यों?

उत्तर- श्री कृष्ण ने धर्म के लिए युद्ध तथा बुद्ध ने शांति व अहिंसा का संदेश दिया था।

(ग) नीचे दी गई पंक्तियों का अर्थ लिखो :-

झरने अनेक झड़ते----- तन मन संवारती है।

अर्थ- भारत देश की भूमि पर पहाड़ियों में अनेक झरने बहते हैं। यहां चिड़िया चहक रही है, आम के बागों में कोयल बोल रही है। मलय वायु भारत के तन मन को संवार रही है।

(घ) पंक्तियां पूरी करो :-

जन्मे जहां थे-- रघुपति, जन्मी जहां थी सीता।

श्री कृष्ण -- ने सुनाई बंसी, पुनीत गीता।

गौतम ने जन्म लेकर, --जिसका सुयश बढ़ाया।

जग को दया दिखाइए, जग को दीया दिखाया।

(ङ) इस कविता में प्रयोग किए गए कोई पांच तुकांत शब्द लिखो :-

लहर- छहर, पहाड़ियों- झाड़ियों, तन -मन, पुकारती- संवरती, सीता -गीता, बढ़ाया- दिखाया।

भाषा बोधन

(क) पढ़ो समझो और लिखो :-

कविता में से कोई पांच विशेषण विशेष्य छांटो।

- पवित्र यमुना - सिंधु झूमता
- चिड़िया चहक - कर्मभूमि
- पुनीत गीता

(ख) उपसर्गों से नए शब्दों का निर्माण होता है :-

- | | |
|--------------------|----------------------|
| जैसे -- यश -- सुयश | पुत्र -- सुपुत्र |
| कर्म -- सुकर्म | शिक्षित -- सुशिक्षित |
| बोध -- सुबोध | पात्र -- सुपात्र |
| शील -- सुशील | योग -- सुयोग |
| पथ -- सुपथ | दूर -- सुदूर |

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची लिखो:-

- पवन ---- हवा ,समीर, वायु, बयार।
अमराई--आम का बाग ,उद्यान , सुरकानन, उपवन।
संसार---जगत ,दुनिया ,विश्व ,लोक।
समुद्र-- सागर, जलनिधि ,सिंधु , जलधी।

